ont>

12.21 hrs.

Title: Regarding situation arising out of meeting by Dharam Sansad.

MR. SPEAKER: Now, the 'Zero Hour' has started.

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, the Prime Minister has said that he would abide by the judgement of the Court.

अध्यक्ष महोदय : आपके नोटिस पर निर्णय हो गया है, मैंने उत्तर दे दिया है। The Adjournment Motion has been disallowed.

SHRI BASU DEB ACHARIA : He has also stated that he is for Ram Temple at Ayodhya. The Prime Minister has made such a statement without waiting for the Court's judgement. It is unbecoming of the Prime Minister of our country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य धर्म संसद की बात कर रहे हैं। आज पूरे देश के पूज्य धर्माचार्य देश की संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। जब देश के धर्माचार्य सड़कों पर उतरे हैं तो देश और समाज के हित में उतरे हैं, न कि अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए, और जब वे सड़कों पर उतरते हैं तो उन्हें किसी राट्र और समाज की महत्वपूर्ण समस्या से जोड़ा जा सकता है। आज जिस प्रकार से धर्म संसद में प्रस्ताव पारित किए गए हैं, उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से भड़काऊ ठहराने का प्रयास किया जा रहा है। यह उस विकृत मानसिकता का प्रदर्शन करता है, जो गुलामी की मानसिकता का द्योतक है। यह रामजन्म भूमि का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो पिछले 20 वर्षों से संपूर्ण देश के आम जनमानस को उद्वेलित करता रहा है। अगर हम इतिहास के अतीत में जाएं तो स्पट होता है कि 1528 में रामजन्म भूमि में भगवान श्रीराम के मंदिर को एक विदेशी आक्रांता बाबर के सिपेहसालार मीरबाकी ने तोड़ दिया था, तब से लगातार हिन्दू जनमानस रामजन्म भूमि को पाने के लिए संर्घा करता रहा है। â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी (रीवा) : महोदय, ये जो इतना चिल्ला रहे हैं, ये कौन से साधू हैं, शैतान हैं।â€¦ (व्यवधान) इसे देखना पड़ेगा।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : तिवारी जी आप बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी : वहां शैतान घुस गए हैं, जो वास्तविक साधू हैं उनका इससे देश के अंदर अपमान हो रहा है।â€¦ (व्यवधान) महोदय, इस पर विचार किया जाए।â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रेणुका चौधरी (खम्मम) : क्या आप इस देश में मुसलमान नहीं चाहते हैं?â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : महोदय, 1857 में अवध के तत्कालीन नवाब बेगम हजरत महल ने रामजन्म भूमि का वह स्थान हिन्दुओं को सौंप दिया था, लेकिन अंग्रेजों की कूट नीति के कारण यह सफल नहीं हो पाया। सन् 1905 में प्रकाशित फैजाबाद गजेटियर में स्पट लिखा है कि जन्म स्थान रामकोट में था, जिसे राम की जन्मभूमि माना जाता है। उसी स्थान पर 22 और 23 दिसम्बर, 1949 को भगवान राम लला का प्रकटीकरण हुआ था, लेकिन विवाद की स्थिति होने के बाद तत्कालीन सरकार ने उस पर ताला लगा दिया था। एक फरवरी, 1986 को जिला न्यायाधीश फैजाबाद के आदेश पर वहां रामजन्म भूमि का ताला खुलवाया गया। 27 अक्तूबर, 1989 को सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति से 17 नवम्बर, 1989 को अयोध्या में, श्रीराम जन्म भूमि में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में रामजन्म भूमि मंदिर का शिलान्यास भी हुआ। हिन्दुओं की भावनाओं के साथ लगातार खिलवाड़ करने का दुपरिणाम 6 दिसम्बर, 1992 को सामने आया, जब गुलामी के ढांचे को हिन्दुओं ने तोड़ दिया था। उसके बाद सात जनवरी, 1993 को विवादित स्थल और उसके आसपास की 67 एकड़ जमीन केन्द्र सरकार ने अधिग्रहीत कर ली थी। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down.

योगी आदित्यनाथ : पूज्य धर्माचार्य आज यह मांग कर रहे हैं कि अयोध्या में दो प्रकार की जमीन है - एक विवादित और एक अविवादित। विवादित जमीन का 40 बाई 60 का चबूतरा है, जिसमें राम लला विराजमान हैं और विवादित जमीन 67 एकड़ है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Yes, Shri Khaire. खैरे जी, क्या आप नहीं बोलना चाहते हैं?

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आदित्य जी, खैरे जी भी इसी पर बोलना चाहते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी : अध्यक्ष महोदय, इसकी सी.बी.आई. जांच होनी चाहिए।

योगी आदित्यनाथ : इस 67 एकड़ विवादित जगह को पूज्य धर्माचार्य रामजन्म भूमि न्यास को सौंपने की और विवादित मामले को केन्द्र सरकार से अविलम्ब निस्तारण की मांग कर रहे हैं।

...(व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, पूरे देश से हजारों साधू-सन्त यहां धर्म संसद के नाम पर आये हैं। तीन दिन से उनकी धर्म संसद चालू थी और धर्म संसद का आज संसद का घेराव करके समापन होने जा रहा है। संसद के पास जन्तर-मन्तर के पास हजारों साधू-सन्त यहां आये हैं। वे यही मांग

कर रहे हैं, उनका यहीं कहना है कि रामजन्मभूमि को मुक्त करें। मैं आपके माध्यम से आदरणीय प्रधानमंत्री जी से विनती करूंगा कि साधू-सन्तों ने जो मांग की है, उनकी भावना का आप आदर करें, उनको समय दें और बुलाकर बातचीत करें ताकि रामजन्मभूमि जल्दी से जल्दी मुक्त हो जाये।

अयोध्या में प्रभु रामचन्द्र जी का जन्मस्थान है, इसलिए अभी आप जो साधू-सन्तों के बारे में बोल रहे थे, मैं सुन रहा था, हमारे किसी कांग्रेस के सांसद ने उनका अनादर करते हुए उनके बारे में कहा, मैं उनकी निन्दा करता हूं।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, today's demonstration is the Government sponsored demonstration. It is officially Union Government sponsored demonstration dictated by the Home Ministry

श्री चन्द्रकांत खैरे : जो 10 हजार साधू-सन्त हिन्दुस्तान भर से आये हैं, उनका उन्होंने अपमान किया है, मैं इसकी निन्दा करता हूं। हमें उनका आदर करना चाहिए, शिव सेना यह मांग करती है।â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी : इसकी सी.बी.आई. से जांच होना चाहिए कि कौन साधू है, कौन सन्त है।â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : यह हमारे साधू-सन्तों का अपमान है, ये हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। इन्हें माफी मांगनी चाहिए। ये हमारे साधू-सन्तों का अपमान कर रहे हैं। दस हजार साधू-सन्त हिन्दुस्तान भर से यहां आये हैं और ये गलत बात कह रहे हैं, उन्हें अपमानित कर रहे हैं। यहां साधू-सन्तों का अपमान हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं और सदन के अन्दरâ€¦ (व्यवधान) माननीय उप-प्रधानमंत्री जी यहां उपस्थित हैंâ€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : रावण भी साधू के वेश में आया था। कालनेमि भी साधू के वेश में था।

अध्यक्ष महोदय : आप इतनी देर में कैसे बोले, मुझे तो इसका ही आश्चर्य है।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : यह विाय पूरे देश के लिए बहुत गम्भीर विाय है। सरकार भी इस मसले को सुलझाना चाहती है। सरकार के प्रधान माननीय प्र ाधानमंत्री जी ने कहा कि न्यायालय से या बातचीत से इस मसले को सुलझाया जा सकता है। जहां सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह आवेदन किया है कि जो 67 एकड़ भूमि है, वह अविवादित भूमि थी और पिछले वर्षा â€¦ (व्यवधान) मैं आपकी बात कर रहा हूं, जरा सुनिये। उस अविवादित भूमि के ऊपर जो सुप्रीम कोर्ट का ऑब्जैक्शन है, उसे वे वापस ले लें ताकि 67 एकड़ भूमि न्यास को दी जा सके।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि न्यायालय ने उस तिथि को आगे बढ़ा दिया है, जिसके कारण पूरे देश में साधू-सन्तों में, महात्माओं में, जगतगुरु शंकराचार्य में, हममें, आपमें, सब में एक प्रकार से आक्रोश है। मैं कांग्रेस के भाईयों से जानना चाहता हूं, कम्युनिस्ट पार्टी के लोग अगर आपत्ति करते हैं तो बात समझ में आती है, लेकिन कांग्रेस के भाईयो, आपके पूर्वजों ने रामजन्मभूमि का ताला खुलवायाâ€¦ (व्यवधान) आप बैठिये।

श्री सुन्दर लाल तिवारी : कांशीराम ने कहा था कि वहां शौचालय बनाया जाये और आपने वहां उनसे समझौता किया है, यह धर्म की बात हो रही है क्या? कांशीराम जी ने संसद में, सदन के अन्दर राज्यसभा में शौचालय की बात बोली थी, उससे आपने समझौता किया है, आप बड़ी धर्म की बात करते हो।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : धर्म संसद में जो प्रस्ताव पारित किया है, उसमें उन्होंने एक मांग की है और उसी मांग को लेकर आज जन्तर-मन्तर पर देश के 10 हजार से अधिक ाधू-सन्यासी, जगतगुरु शंकराचार्य वगैरह बैठकर धरना दे रहे हैं।

उनकी साधारण सी मांग सरकार से है कि 67 एकड़ भूमि जो न्यास की है, वह उस भूमि को न्यास को सौंप दें। अगर न्यायालय इस विाय को तय नहीं कर सकता तो संसद इसे तय करने में सक्षम है। मैं जानता हूं कि कांग्रेस के लोग चाहें जितनी बात करें, कम्युनिस्टों को छोड़कर कांग्रेस भी उनके साथ खड़ी हो जायेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं चाहता हूं कि सरकार इस पर आश्वासन दें और इन बाधाओं को दूर करे।

MR. SPEAKER: Now, Shri Somnath Chatterjee.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, is he speaking on behalf of Congress? वह भी तय है। कांग्रेस की आत्मा की खबर इनके पास कैसे पहुंच गयी, यह तो भयंकर स्थिति बी.जे.पी.के अंदर होगी। â€¦ (व्यवधान)

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : अध्यक्ष महोदय, हमारा और जायसवाल जी का एक ही नोटिस है। â€¦ (व्यवधान) आप हमें बोलने का मौका दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस है तो मैं आपको भी बोलने का मौका दूंगा।

...(व्यवधान)

श्री राम नगीना मिश्र : आप हमें बोलने दीजिए। कम्युनिस्टों ने तो हम लोगों के विरुद्ध ही बोलना है। ...(व्यवधान) स्वतंत्रता आंदोलन का इन्होंने विरोध किया था। â€¦ (व्यवधान) इनका राम के प्रति विश्वास नहीं है। â€¦ (व्यवधान) ये साम्यवादी देशों के इशारे पर चलने वाले हैं। â€¦ (व्यवधान)

देश का बंटवारा करने वाले हैं। â€¦ (व्यवधान) आप हमें बोलने का मौका दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, I feel very happy that the hon. Member ...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, all these things must be expunged from the records. ...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : आप हमें भी मौका दीजिए। मैंने पहले दस्तखत किये हैं। ये हम लोगों के विरोध में ही बोलेंगे। â€¦ (व्यवधान) हमारे बोलने के बाद आप

इनको बुलवाइये। â€¦ (व्यवधान)

ये तो इसका विरोध ही करेंगे। â€¦ (व्यवधान) आपने हमें बोलने का मौका नहीं दिया â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, he is dictating to you. ...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I am happy that he has found that I shall never support their attempt to divide this nation. I am very happy about it. ...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : आप हमें बोलने का मौका दीजिए। â€¦ (व्यवधान) देश को बांटने वाले हैं। â€¦ (व्यवधान) साम्यवादियों के इशारों पर चलने वाले हैं। â€¦ (व्यवधान)

इनका धर्म कर्म से क्या मतलब है ? इनका राम से क्या मतलब है ? â€¦ (व्यवधान) ये भगवान को भी नहीं मानते। ये नास्तिक हैं। â€¦ (व्यवधान) पता नहीं कैसे अपने को पुख्ता कहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

ये सुभाा चन्द्र बोस के दुश्मन हैं। इनका मुख्यमंत्री तो राट्र गान पर खड़ा ही नहीं होता, बैठा रहता है। â€¦ (व्यवधान) ये क्या सदन में बोलेंगे ? â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I treat all these things with contempt that they deserve. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : राम नगीना मिश्र जी, आप बैठिये। आपको जो बोलना था, वह सब आपने बोल दिया है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री राम नगीना मिश्र : हमारा भी उस पर दस्तखत है। â€¦ (व्यवधान)

क्या मैं एम.पी. नहीं हूं ? क्या मैं बाहर से आया हूं ? मैंने भी उस पर दस्तखत किये हैं। â€¦ (व्यवधान) हम लोगों को क्यों नहीं बोलने का मौका मिलेगा ? क्या यह मेरा अधिकार नहीं है ? â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको भी बोलने की इजाजत दूंगा। अभी आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री राम नगीना मिश्र : आप हमें हमारा अधिकार दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

हमें बोलने का मौका दीजिए। â€¦ (व्यवधान) आप हमें चाहें निकाल दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : निकालने का प्रश्न नहीं है। आप बैठिये। मैं आपको बोलने का मौका अभी दे रहा हूं।

...(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I thought that the religious-minded people ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, please listen to him.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, they should have some sense of discipline.

MR. SPEAKER: Yes, I can understand, Shri Somnath Chatterjee. Please go ahead.

create provocation. Even our Prime Minister and Deputy Prime Minister have been attacked by them, if it is not a make-believe thing. They have not agreed and very seriously criticised both Shri Atal Bihari Vajpayee and Shri Advani. Compared to them, I am a humble mortal. Sir, according to them, I am a traitor to this country. I am very happy that they think that I am a traitor. Therefore, I fight them and we shall fight them to the last.

Mr. Speaker, Sir, what I wanted to say in the heart of ...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : हम इसके लिए तैयार हैं। हम कम्युनिस्टों को समाप्त कर देंगे। â€¦ (व्यवधान) राम के दुश्मन, भगवान के दुश्मन इस देश में नहीं रह पायेंगे। â€¦ (व्यवधान)

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Shri Somnath Chatterjee is a very humble speaker that he never gets provoked. ...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, you are allowing a Member to speak and the ruling party Members are not allowing the Members to speak here in spite of your desire. How do we proceed in this House? There are senior and respected Members like Shri Advani, Dr. Vijay Kumar Malhotra − different roles he takes. But today, nobody is trying even to stop them.

Sir, we are talking of the great primacy of this institution, the highest forum in this country.

Even before I could utter one word, I am being characterised as a traitor to the country. What I have been saying is that I do not want to match in creating provocation in this House. But, as a citizen of this country, as a Member of Parliament, am I not concerned with what is being said and the way it is being said in the heart of the Capital of India? "The Dharam Sansad threatened to create a "hundred Gujarats" in different parts of the country as part of its nation-wide Ram temple agitation." They say that if Congress Membersâ€"for, happily they have spared usâ€"have to prove their so-called patriotism, they must join Ram temple agitation to be led by them to prove that Hindu blood flowed in their veins.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : How pathetic!

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : They say या राम के साथ है, या बाबर की औलाद है। And the Government does not feel disturbed.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This is the language of Ravan.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : The senior Members do not feel disturbed. Sir, our greatest glory in this country is that it is a country of diverse religion, diverse language and diverse culture. The unity in diversity is the very *mantra* of this country. *Vasudhev Kutumbakam* is not only with us but also inside our country. Therefore, I am suggesting that these types of activities must be ended. There are so many problems in this country. Everyday we are reminded by the hon. Deputy Prime Minister about the problem created by the terrorists. We are supporting the Government on this. What else this is than terrorism? Do not nod your head only. Shri Yerrannaidu, your hands do not support what you say by your mouth. You always raise your hands first.

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): I have already said it. Our policy is clear. From the beginning, we are very firm on this.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : It is very good.

SHRI K. YERRANNAIDU : Every time I am telling that this is not the only issue. We have to raise so many issues.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, today we want to express our greatest concern about the future of the unity and integrity of this country. The Government is committed to it. Whatever may be the recent statement of the Prime Minister, we have objected to that. At least, he has said he has to abide by the Court's decision. Nobody can deny this organisation's nearness, proximity to the BJP. You do not deny it. Even then, it can be permitted. Will you allow any others to say all these things? Therefore, in the name of the unity of this country, we must fight against these divisive forces and it is the incumbent duty of the Government to stop this type of provocative agitation.

We are against POTA. But if POTA was lawful, this was a perfect case for application of POTA as far as Shri Pravin Togadia is concerned. We never agree to that. But you are saying that POTA is brought for the country. Whatever is being done, what type of insurgency that is being created, is terrorism in this country. Sir, we strongly oppose it. I am sure the right thinking Members, citizens of this country will not fall into this trap and they will fight it and fight it to the last so that these people are contained.

SHRI PRABODH PANDA (MIDNAPORE): Mr. Speaker, Sir, I thank you very much for allowing me to speak on the same subject.

श्री सुन्दर लाल तिवारी : अध्यक्ष महोदय, हम एक मिनट आपका लेना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

उप प्रधान मंत्री जी सदन में विराजमान हैं और सदन के अंदर उन्होंने यह कहा कि हम न्यायालय का फैसला मानेंगे। उन्हीं की पार्टी के लोग अलग बयान देते हैं। क्या रूलिंग पार्टी का यह दायित्व नहीं है कि अपने संसद सदस्यों को इन बिन्दुओं पर बोलने से मना करे क्योंकि यह दोहरी बात हो रही है। उप प्रधान मंत्री जी और प्रधान मंत्री जी कुछ कहें और सदन के अंदर उनके सदस्य दूसरी बात करें, क्या यह गुमराह करने वाली बात नहीं है? â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी : जब सरकार ने नीति तय कर ली है और उन्हीं के पार्टी के लोग दूसरे मत की बात करें और उप प्रधान मंत्री जी बैठे-बैठे देखें, यह देश हित में नहीं है। पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर भी यहां उपस्थित हैं। दो तरह की बात हो, यह अच्छी बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, यह निर्देशित करें,

अध्यक्ष महोदय : तिवारी जी आप बैठें।

श्री सुन्दर लाल तिवारी : यह देश को क्या संदेश दे रहे हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रबोध पांडा जी आप बोलिए।

श्री सुन्दर लाल तिवारी : हम चाहेंगे कि इस पर कुछ तय करना चाहिए। सरकार की नीति निर्धारित हो गई है। प्रधान मंत्री जी और उप प्रधान मंत्री जी ने कुछ बोला और इनके सदस्य कुछ और बोल रहे हैं। ये मुस्कराते हुए सुन रहे हैं।â€¦(व्यवधान) मैं चाहूंगा यहां पर उप प्रधान मंत्री जी विराजमान हैं, वे इस पर ध्यान दें। उप प्रधान मंत्री जी ने जो बयान दिया है, इनके सदस्य उसके विपरीत बोल रहे हैं। इसका मतलब क्या यह है कि उप प्रधान मंत्री जी यह करवा रहे हैं। सत्ता पक्ष उसमें शामिल है ?â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : तिवारी जी अब आप बैठ जाएं।

SHRI PRABODH PANDA : Hon. Speaker, Sir, thank you for giving me an opportunity to speak on this subject. ...(*Interruptions*)

It is a matter of deep concern that one organisation, in the name of *dharma sansad* is not only challenging the national integrity, communal harmony and secular fabric of our country but is also challenging the sublime essence of different theologies and different religions. I do not know what sort of a *dharma sansad* they are performing. Which religion tells us to attack other people? Which religion asks us to pose a threat to others? We are told about the Hindu religion. The Hindu religion teaches us tolerance; the Hindu religion tells, '*vasudaiva kutumbakam*'; the Hindu religion tells, '*srinwantu biswe amritasya putra*'; the Hindu religion teaches us brotherhood. In the name of *dharma sansad*, they are challenging the very essence of all theology and every religion. This is a matter of great concern. I appeal to the hon. Deputy Prime Minister through you to react on this. He should come out with a concrete statement. He should condemn it. This is not a question of the Government alone. ...(*Interruptions*) This is very much the concern of our whole country, about the integrity of our country and about the secular fabric of our country. What they are doing is very condemnable. I appeal to the Government to restore our secular fabric. ...(*Interruptions*)

श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन बलिदान कर हमारे देश को आजाद किया। आज हम ग्लोबलाइज दुनिया में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। हमारा एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए कि देश को आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाया जाए। इसलिए चीन और दूसरे देशों के विरोध में हमारी आर्थिक लड़ाई होनी चाहिए। लेकिन बड़ा दुख हो रहा है कि आज मंदिर और मस्जिद के ऊपर बहस हो रही है। हमें अपने युवा पीढी और देश का भविय बनाना चाहिए। देश में 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ा के नीचे के लोगों की है। आज बहस हो रही है हिन्दू धर्म के ऊपर। हिन्दू धर्म की मोनोपली किसी एक दल के पास नहीं है। धर्म संसद नहीं होनी चाहिए, सर्वधर्म संसद होनी चाहिए।

श्री रामजी लाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, एक तो देश में यह पहचान करना मुश्किल है कि कौन साधु है, कौन नहीं है। यह जो धर्म संसद हुई, पिछली बार जो धर्म संसद हुई थी, उसमें रामचंद्र परमहंस जी, गोपालदास जी, आदि उसमें भाग लेते थे, वे इसमें उपस्थित नहीं थे।â€¦(व्यवधान) हमारी बात सुन लें।

धर्म-संसद ने फैसला किया है कि 6 मार्च को उच्चतम न्यायालय क्या आदेश करेगी यह वह नहीं जानते। लेकिन 6 मार्च से पहले वे अयोध्या में मंदिर बनाना प्रारम्भ कर देंगे। उनका यह भी प्रस्ताव है कि भारत को हिंदू राट्र घोाित किया जाए। यह बहुत गंभीर बात है। सबसे आपत्तिजनक बात उन्होंने यह कही है कि समाजवादियों, वामपंथियों और मुसलमानों के खिलाफ महाभारत के समान युद्ध की घोाणा की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, यह देश को तोड़ने की साजिश के अलावा कुछ नहीं है। इनकी सरकार कुछ कहती है, विजय कुमार मल्होत्रा जी और दूसरे बीजेपी के लोग कुछ और कहते हैं। अध्यक्ष जी, ये साम्प्रदायिक लोग हैं और इनका देश को तोड़ने के अलावा कुछ काम नहीं है। माननीय आडवाणी जी यहां बैठे हुए हैं। ये पोटा के लिए बहुत उतावले थे। पोटा के लिए अगर कोई उपयुक्त केस बनता है तो इन लोगों का पोटा लगाने का और कोई उपयुक्त केस नहीं हो सकता। इसलिए, इनके खिलाफ पोटा का प्रयोग होना चाहिए। यह बहुत गंभीर मामला है। यह देश को तोड़ने की साजिश है। इसलिए ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

श्री सुबोध राय (भागलपुर) : अध्यक्ष जी, जिस तरह के भड़काऊ और हिंसक भााण ये साधु-संत कर रहे हैं, उनसे जाहिर हो गया है कि ये तथाकथित साधु-संत हैं और इनकी जुबान से कोई भी बात धर्म, मानवता और भाई-चारे की नहीं निकल रही है। आज धर्म-संसद के नाम पर इस संसद को पूरी तरह से आतंकित करने के लिए उसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पूरे राट्र की एकता-अखंडता, धर्म-निरपेक्षता, जनतंत्र और मानवता, सब खतरे में पड़ गयी है। इस तरह के भााणों की इजाजत कतई नहीं दी जानी चाहिए और हर हालत में ऐसे भााणों पर रोक लगानी चाहिए।

श्री राम नगीना मिश्र : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन के नेताओं और सरकार से निवेदन करुंगा कि इस सदन में भी ऐसे भााण न दिये जाएं जिससे देश में आग लगे। आज सदन में तथाकथित धर्म-निरपेक्ष साथियों ने, कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी के लोगों ने भााण दिये हैं।â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : आपसे कोई पार्टी बची नहीं है। अब किस पार्टी में जाने का विचार है।

श्री राम नगीना मिश्र : मैं इन लोगों से पूछना चाहता हूं कि जब घर का मुखिया मरता है तो आप लोग पिंड दान कराते हैं या नहीं कराते हैं। आप लोग मंदिर में जाते हैं या नहीं जाते हैं। संतों के चरण छूते हैं या नहीं छूते हैं। कम्युनिस्ट लोग दुर्गा मां की पूजा करते हैं या नहीं करते हैं।

श्री बसुदेव आचार्य : हम संतों के पांव नहीं छूते हैं।â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : मिश्र जी, आप कांग्रेस पार्टी में रहे, समाजवादी पार्टी में रहे, बीजेपी में रहे।â€¦(व्यवधान)

श्री राम नगीना मिश्र : मैं पूछना चाहता हूं कि समाजवादी पार्टी का कौन नेता है जो भगवान को नहीं मानता है। केवल कम्युनिस्ट नहीं मानते हैं।

कम्युनिस्ट ही एक ऐसी पार्टी है, जिसको देश, दुनिया और भगवान से कोई मतलब नहीं है। मैं खास तौर से कांग्रेस के भाइयों से निवेदन करना चाहता हूं। यह एक राष्ट्रीय पार्टी है और बाकी तो छोटी-छोटी पार्टियां हैं। राट्र से संबंधित मामला है और इनका राट्र को बनाने में कांग्रेस का योगदान रहा है। आज भी यह दूसरे नम्बर की

पार्टी है और एक राट्रीय पार्टी है। हम देख रहे हैं कि सदन में पुराने नेता भी मौजूद हैं। क्या यह सही नहीं है कि जिस समय वीर बहादुर सिंह जी मुख्य मंत्री थे, उस समय राम मंदिर का ताला खोला गया और उस समय सारे देश में मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों ने बगावत की और तमाम मंदिर तोड़े गए।

दूसरा मेरा निवेदन है, क्या यह सही नहीं है कि â€¦ (व्यवधान) ...*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : This is too much. How can he say all this? ...(*Interruptions*)

रामजीलाल सुमन : माननीय सदस्य विायान्तर हो रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri N.N. Krishnadas and Shri Suresh Kurup, both of you have given notices to speak on the same issue. So, either of you can speak.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, he has made objectionable remark. It should be expunged. The Congress never did any conspiracy. It only obeyed the court's orders and did nothing more. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am going to expunge that from the record.

...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : अध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

* Expunged as ordered by the Chair

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए, आपको दिया गया समय पूरा हो गया।

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, I would like to bring to the attention of this House a very important matter. *Advasis* in Kerala were burtally lathicharged ...(*Interruptions*) Sir, they are on a struggle path to regain their lost land. ...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : क्या यह संही नहीं है कि भूतपूर्व प्रधान मंत्री, स्वं. राजीव गांधी जी ने अयोध्या में शिलान्यास कराया था। â€¦ (व्यवधान)

SHRI SURESH KURUP : Sir, *advasis* in Kerala are on a struggle to regain their lost land from which they were systematically evicted by the powerful encroachers. The Government of Kerala has ...(*Interruptions*)

श्री राम नगीना मिश्र : क्या यह सही नहीं है â€¦ (व्यवधान) मैं कांग्रेस के साथियों से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस के लोग अयोध्या में मंदिर बनाना चाहते हैं या नहीं बनाना चाहते हैं ? मैं विरोधी दल के नेताओं से भी कहना चाहता हूं â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am going to expunge whatever he speaks now.

(Interruptions) â€¦ *

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, it should not go on record. They are misleading the House. Congress never did anything in Ayodhya. When the doors were opened, it was done only to obey the orders of the court. Moreover, the Congress also preserved the undisputed site until the mosque was demolished. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have permitted Shri Kurup to speak. Whatever he speaks will go on record and anything spoken by anybody else will not go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

* Not Recorded

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, *adivasis* in Kerala ...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): What is happening? The leaders are sitting there, but they do not discipline their own Members. One member of BJP is continuously disturbing the other Member who is speaking. ...(*Interruptions*) The leaders are sitting there....(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : They are all hatching a conspiracy to divide the nation. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Whatever objectionable words he has used will all be removed from the record.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Why do you not go on speaking?

...(*Interruptions*)

_____